सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 26 दिसंबर, 2023

**कार्यालय ज्ञापन**

**विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह नवंबर, 2023 के मासिक सार के संबंध में।**

अधोहस्ताक्षरी को माह नवंबर, 2023 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)
निदेशक (पीएमआई)
दूरभाष: 011-23389839

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को इसे उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषयः माह नवंबर, 2023 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

**1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:**

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | माह के दौरान उत्पादन | इस माह तक संचयी उत्पादन |
|---|---|---|
| यूरिया | 27.65 | 208.81 |
| डीएपी | 3.49 | 30.51 |
| अमोनियम सल्फेट (ए/एस) | 0.55 | 4.10 |
| मिश्रित उर्वरक | 8.09 | 6.45 |
| सिंगल सुपर फॉस्फेट | 3.36 | 33.00 |

स्रोतः dbtfert.nic.in 06.12.2023 की स्थिति के अनुसार

**2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:**

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | आकलित आवश्यकता | उपलब्धता | बिक्री |
|---|---|---|---|
| यूरिया | 39.53 | 96.57 | 32.06 |
| डीएपी | 16.33 | 26.06 | 12.93 |
| एमओपी | 2.73 | 7.85 | 1.77 |
| एनपीके | 13.78 | 44.58 | 11.80 |

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

**3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:**

| उत्पाद का नाम | मात्रा 'लाख मी.टन' में |
|---|---|
| यूरिया | 9.73 |
| कृषि उपयोग हेतु एमओपी | 2.05 |
| डीएपी | 6.83 |
| एनपीके | 2.82 |

**4. नवंबर 2023 के दौरान तलचर उर्वरक परियोजनाओं की वृद्धिशील प्रगति।**

**(क) <u>तलचर इकाई का पुनरुद्धार</u>**

भारत सरकार ने ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तलचर इकाई के पुनरुद्धार को अधिदेशित किया है। तदनुसार, 12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला गैसीकरण-आधारित (भारत में पहली बार) अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है। इस संयंत्र की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 फरवरी, 2019 को रखी गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है। उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना कार्यकलापों की नियमित निगरानी की जा रही है। टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति इस प्रकार है:-

क) अक्टूबर, 2023 तक परियोजना की समग्र प्रगति : 51.89%

ख) नवम्बर, 2023 के दौरान वृद्धिशील प्रगति : 0.87%

ग) नवम्बर, 2023 तक समग्र प्रगति : 52.76%

जुलाई 2023 से सचिव, उर्वरक विभाग द्वारा इस परियोजना की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है।

2. माह नवंबर, 2023 के दौरान प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:-

i. **<u>विनिर्माण संबंधी कार्यकलाप:</u>**

क. अमोनिया स्टोरेज टैंक-ए इन्स्टॉल करने का कार्य पूरा किया गया।

ख. 5 अमोनिया संयंत्र कूलिंग टावर में से 2 को लगाने का कार्य पूरा किया गया।

ग. साइट पर एयर सेपरेशन यूनिट में दो मॉलीक्यूलर सीव एडसॉर्बर (सेट-2) लगाए गए।

घ. बॉयलर-1 (प्रेशर पार्ट) में वॉटर पैनल लगाने का कार्य पूरा किया गया।

ii. **<u>मानव संसाधन संबंधी कार्यकलाप:</u>**

- श्री दीपक गुप्ता, निदेशक – परियोजनाएं, गेल को दिनांक 17.11.2023 को टीएफएल के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
- विभिन्न पदों के लिए प्राप्त 1387 आवेदनों में से दस्तावेजों की जांच के बाद 960 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र पाए गए। प्रथम और द्वितीय चरणों के साक्षात्कार के बाद 25 अभ्यर्थियों (सुरक्षा, मानव संसाधन, विधिक और संविदा) को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। साक्षात्कार की प्रक्रिया अभी चल रही है।
- आरसीएफ और सीआईएल की पूरी जनशक्ति को नोएडा और भुवनेश्वर कार्यालय से तलचर में स्थानांतरित कर दिया गया है।

iii. **<u>विभिन्न कार्यकलाप:</u>**

* एक कौशल विकास योजना तैयार की गई है और इसे अंतिम रूप देने पर विचार किया जा रहा है।
* ब्राह्मणी नदी से 13 किमी पाइपलाइन बिछाने के प्रस्तावित कार्य में से 4 किमी का कार्य पूरा हो चुका है।
* जहां तक ऐश हैंडलिंग पैकेज का संबंध है, मार्ग को अंतिम रूप दे दिया गया है और संभावित बोलीकर्ताओं से प्रस्ताव प्राप्त हो गए हैं।
* टीएफएल परियोजना में आरसीएफ द्वारा अतिरिक्त साम्या निवेश के लिए सीसीईए नोट का मसौदा 05.12.2023 को अंतर-मंत्रालयी परामर्श (आईएमसी) के लिए परिचालित किया गया है।

5. **व्यय की स्थिति:**

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 184128.48 करोड़ रुपए के कुल उपलब्ध बजट अनुमान की तुलना में नवंबर, 2023 के दौरान उर्वरक राजसहायता के प्रशासन पर 13019.54 करोड़ रुपये (यूरिया: 7327.12 करोड़ रुपये, पीएंडके: 5688.84 करोड़ रुपये, डीबीटी 3.31 करोड़ रु., आरएंडडी 0.20 करोड़ रु. तथा पूँजीगत व्यय 0.07 करोड़ रु.) का व्यय हुआ। अप्रैल 2023 से नवंबर 2023 के दौरान 136023.09 करोड़ रुपये (यूरिया: 86987.47 करोड़ रुपये और पीएंडके: 49004.12 करोड़ रुपये, डीबीटी 2.23 करोड़ रु. तथा पूँजीगत व्यय 1.18 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन के लगभग 73.87% का क्रमिक व्यय हुआ।

*******